



**प्रश्न १.** D.N.A. प्रतिकृति का प्रजनन में क्या भूमिका?

**उत्तर.** D.N.A. प्रतिकृति रासायनिक अक्षिक्षियाओं के बारे होती है, इन रासायनिक अक्षिक्षियाओं के बारे की दोनों प्रतिकृति कियाएँ जाती हैं - अलग-अलग होम्ड दो कोशिकाओं का निमित्त इस प्रकार प्रजनन में दो चोशिकाओं के बारे के लिए प्रतिकृति किया जावश्यक है।

D.N.A.

**प्रश्न २.** जीवों में विभिन्नता स्पर्जन के लिए विभिन्नताएँ कौन से हैं, वहाँ के लिए आवश्यक नहीं हैं, क्यों?

**उत्तर.** जीवों में विभिन्नता स्पर्जन के लिए तीन आवश्यक हैं किन्तु कैसी के लिए विभिन्नता (आवश्यक नहीं है), क्यों? अब जीवित रहने पर विभिन्नताओं का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है, जबकि जीवों में विभिन्नताओं के बारे नयी स्पर्जन का निमित्त होता है।

**प्रश्न ३.** विक्रम, लक्ष्मण ते किस प्रकार जीव हैं?

	विक्रम	लक्ष्मण
१.	इसमें एक जीव का छोशिका हो सकता है कोशिकाओं में जट जाती है।	इसमें एक जीव का छोशिका हो सकता है आदिक छोशिकाओं में जट जाती है।
२.	इसमें वातावरण की परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं।	इसमें वातावरण की परिस्थितियाँ प्रतिकूल होती हैं।
३.	इसमें छोशिका के बारे जोर रक्षात्मक आवश्यक आवश्यक नहीं होता।	इसमें छोशिका के बारे जोर रक्षात्मक आवश्यक आवश्यक होता है।
४.	जनक शरीर का कोई शरीर अवश्यक नहीं है जो नहीं रखता।	जनक शरीर का कुछ शरीर अवश्यक है जो उच्च शरीर अवश्यक है।



प्रश्न. 1. D.N.A. प्रतिकृति का प्रजनन में क्या भूमिका है? उत्तर. D.N.A. प्रतिकृति रासायनिक अक्षिकृताओं के बारे होती है, इन रासायनिक अक्षिकृताओं के बारे की दोनों प्रतिकृति कियाएँ जाती हैं - अलग-अलग होमर द्वे छोड़िकाओं D.N.A. का निमित्त करती हैं। इस प्रकार प्रजनन में दो छोड़िकाओं के बारे के लिए प्रतिकृति किया जावश्यक है।

प्रश्न. 2. जीवों में विभिन्नता स्वर्गीय के लिए विभिन्नताएँ प्रकृति के लिए आवश्यक हैं, यदि वे जीवों के लिए विभिन्नता आवश्यक नहीं है, तो? उत्तर. जीवों में विभिन्नता स्वर्गीय के लिए तो आवश्यक है किन्तु क्रेटी के लिए विभिन्नता आवश्यक नहीं है, यदि वे अब जीवित रहने पर विभिन्नताओं के बोहे विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है, जबकि जीवों में विभिन्नताओं के बारे नयी स्वर्गीयता का निमित्त होता है।

प्रश्न. 3. विवरण, व्युत्पन्न ते किस प्रकार चिन्ह हैं? उत्तर. विवरण व व्युत्पन्न में क्या अंतर है?

	विवरण	व्युत्पन्न
1.	इसमें एक जीव की विविधता हो सकती है जो विविधाओं में बदलती है।	इसमें सूखे जीव की विविधता हो सकती है जो आधिक विविधाओं में बदलती है।
2.	इसमें वातावरण की परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं।	इसमें वातावरण की परिस्थितियाँ प्रतिकूल होती हैं।
3.	इसमें विविध के बारे जीव रक्षात्मक आवश्यक आवश्यक नहीं होता।	इसमें विविध के बारे जीव रक्षात्मक आवश्यक आवश्यक होता है।
4.	जीव के सर्वीर का कोई श्री भाव अवश्यक नहीं होता।	जीव के सर्वीर का कुछ श्री भाव अवश्यक होता है।

प्र० 1. वीजांगु द्वारा जानने से उनके लिए प्रकार नामित होता है।  
 उ० 2. बहुत से सरल बहुकोशिकीय उर्ध्वों के घटन पर यह भूमि की स्थिरता होती है, जिसे वीजांगु जानी चाहते हैं। वीजांगु जानी में बहुत से वीजांगु शब्दों होते हैं, जब उक्त वीजांगु जानी अटवी है तो वे वीजांगु वह निकल जाते हैं। इस प्रकार यह ऐसे जीवों के लिए नाम दिया होता है, जिनमें जनन वीजांगु द्वारा होता है।

उ० 3.  $\Rightarrow$  साइजोपर

प्र० 4. कुछ प्रौढ़ों के उगाने के लिए कामिक प्रबन्धन का उपयोग  
 उ० 5. किसी जाति को क्यों?  
 उ० 6. कामिक प्रबन्धन द्वारा उगाने गए प्रौढ़ों में क्या यह कहा जाता है?  
 1. समय में लगाने लगते हैं।  
 2. कामिक प्रबन्धन द्वारा उत्पन्न सभी जीवों जानक के समान होते हैं।  
 3. कामिक प्रबन्धन एवं सहारी लिखि है,  
 4. यह पद्धति उन प्रौढ़ों के लिए उपयोगिता उपलब्ध है, जो  
 5. वीजा उत्पन्न नहीं करते।  
 कामिक प्रबन्धन उल्लंघन के लिए प्रौढ़ों में यह संकेत है, जिनके उड़ान, उत्तर, परित्यांग द्वितीय वैधा जाति की छाता रखते हैं।

प्र० 6. यो उन्नारप्रौढ़ों के समान लड़कों में जीवों से परिवर्तन दिखते हैं।  
 उ० 7. होते हैं।  
 उ० 8. 1. क्षितिज लिंगार्थ लक्षणों का विवर होने लगता है।  
 2. आवाज बहुत ही जाती है।  
 3. जटवाफ़ में बहुती होने लगती है।  
 4. रजोधर्म प्रारम्भ होने लगता है।

प्रश्न. ७.

परामर्शदाता किसी निशेचन से किस प्रकार बिना होता है।  
अवधि।

परामर्शदाता किस निशेचन के लिए में विस प्रकार अंतर है।  
अवधि।

परामर्शदाता की विशेषताओं के लिए।

उत्तर:

परामर्शदाता

निशेचन

१. इसका उत्तिकार्य वह पुक्षणा

वह सब मादा सुगमों का मिला निशेचन जैलाला है।

२. यह किसी उत्तिकार्य को होली है।

यह किसी अवश्यक होती है।

३. यह किसी निशेचन से पहले होली है।

यह किसी परामर्शदाता के बाहर होली है।

४. इसमें माड़पाटे की आवश्यकता होती है।

इसमें माड़पाटे की आवश्यकता नहीं होती है।

५. इसमें पुष्प के आवश्यक परिवर्तन नहीं होती है।

इसमें पुष्प के आवश्यक परिवर्तन होता है।

प्रश्न.

उत्तर:

८. हृत्काशम् का प्रोस्टेट ग्रंथि की वजा भूमिका है। नर जनन तंत्र में शुक्राशय प्रोस्टेट ग्रंथिया रक्त-दूषण का कारण होती है, जो शुक्राणुओं को आसान बनाता है, जिसके कारण शुक्राणुओं को घोषणा भी प्रदान करता है।

प्रश्न. ९.

मौत के शरीर में ग्रन्तिया की वजा द्वारा प्रकार लाला होता है।

उत्तर:

मौत के शरीर में ग्रन्तिया की वजा द्वारा विशिष्ट अनुकूलताओं के कारण जाते होता है।



प्र० 10. साहि कोई मरीजों को डॉक्टर का रखी ते  
उत्तर. यह उनकी जीव स्थिति रोगों का बहुत बहुगा।

प्र० 11. साहि कोई मरीजों को प्रोग्राम रही है तो वह  
उत्तर. यह जीव स्थिति रोगों से बहुत नहीं करेगा, लेकिन  
वह रोक्षारों के बीच जब जानक है।

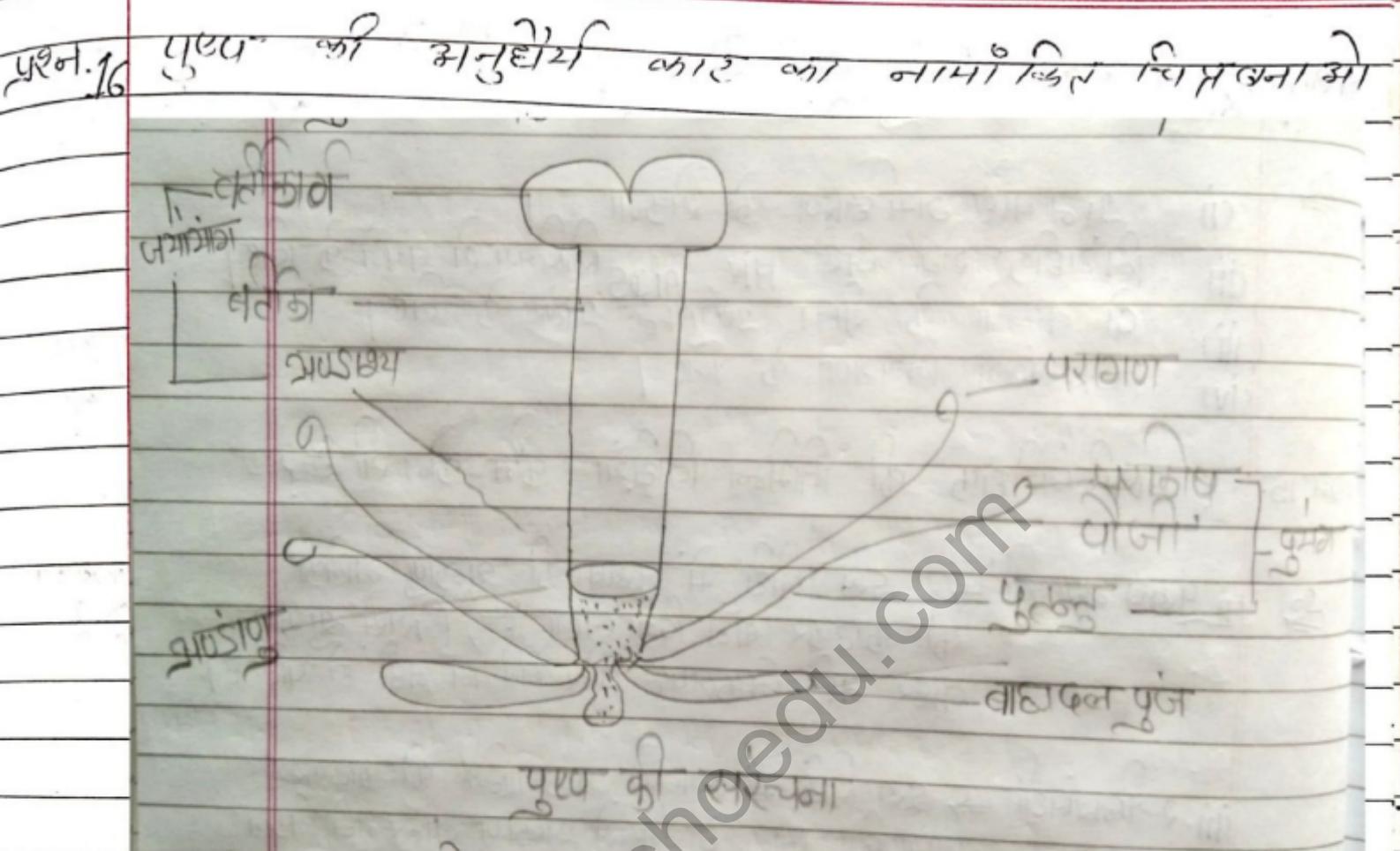
प्र० 11. अलिंगक जनन की अपेक्षा लिंगाक जनन से ज्यादा अधिक  
उत्तर. 1. लिंगक जनन से जनी संतान में विभिन्न उत्पन्न होती है।  
2. लिंगक जनन से संतान में नये लकड़ों को नियमित होता है।  
3. इसके बारे में अनुग्राहक विवरण आ विचार होता है।  
4. इसके बारे में अनुग्राहक विवरण आ विचार होता है।

प्र० 12. मानव में विषय के लिए जारी है।  
उत्तर. 1. एटेरोन एमिस का डायर जना।  
2. शुद्धारु का नियमित जना।  
3. यह एमिस गालों में द्वितीय लकड़ के विचार को प्रदान करता है।

प्र० 13. गर्भ निरोधक कुमित्रों अपनाने के लिए जरूरी है?  
उत्तर. 1. गर्भ निरोधक कुमित्रों अपनाने के नियम लाभ है।  
2. अन-चाहे गर्भ छारण की रोकना  
3. लिंगक रोग जैसे - HIV, AIDS आदि के लिए  
4. दो बच्चों के बीच उपचुक्त अंतर के लिए  
5. जनसंख्या नियन्त्रण के लिए



- प्रश्न** 14. गर्भ निरोधन की विधिएँ विहितों को जान-जान दें।  
**उत्तर.** 1. पुरुष नस्विंदी  $\Rightarrow$  इसमें पुरुष की (प्राणी) की शुक्राणु नालूकी की जटिल विधि जाता है, जिससे शुक्राणु बाहर नहीं निकल पाते हैं, और निशेचन नहीं हो पाता।
2. स्त्री नस्विंदी  $\Rightarrow$  इस विधि में स्त्री की अवधारणी की जटिल विधि जाता है, जिससे अवधारणा बाहर नहीं निकल पाते हैं तथा निशेचन नहीं हो पाता।
3. अंड़ा: ग्राफ्सियरी शुक्रियाँ  $\Rightarrow$  214 एवं लाइटिंग की कोणी की वहाँ दीती है जिसे ग्राफ्सियरी में स्थापित किया जाता है जो शुक्राणु की ग्राफ्सियरी में जाने से रोकती है, जिससे निशेचन नहीं हो पाता।
4. दामोनल विधियाँ  $\Rightarrow$  214 गर्भ निरोधन की सबसे प्राचीन विधि है, जिसमें पुरुष गर्भ निरोधकों के कानून गोकुली की अपेक्षा किया जाता है।
5. शुक्राणु नासी  $\Rightarrow$  इसमें रिक्रिन फ्लाई की जूती घटक की आदि का उत्पोदन किया जाता है, जो शुक्राणु के नस्ट द्वारा ढेती है,
- प्रश्न.** 15. अप्टल झाँप वर्गों को देखा है।  
**उत्तर.** मानस प्राणीओं में इस दृष्टि स्पृष्टि सानी गर्भ तंत्र बाहर निकलता है, इस चक्र में लगभग सूर्य माह का समय लगता है, जिसे अप्टल झाँप या रोटोइप भल्ले है। इस चक्र के द्वारा ग्राफ्सियरा न होता ही रिक्रिन घटकित होता है।



प्रश्न. 17. सत्रोह के भावन विकास की विधियाँ लिखें।

प्रश्न. 18. परागांठ किसे कहते हैं? यह कितने प्रकार का होता है?  
 उत्तर. परागांठ  $\Rightarrow$  नर के परागांठों का मादा की वर्तिकालीन प्रकृति चाहना परागांठ कहलाता है।

परागांठ के प्रकार का होता है।  
 1. स्वपरागांठ  $\Rightarrow$  स्त्री परागांठ जिसमें किसी पुस्तके परागांठ  
 अर्थात् पुस्तक अथवा बीबी के छाया पुस्तक की वर्तिकालीन  
 2. पहुँचना स्वपरागांठ कहलाता है।

पर-परागांठ  $\Rightarrow$  स्त्री परागांठ जिसमें किसी पुस्तके परागांठ  
 अर्थात् प्रजाती के फूलों पुस्तक की वर्तिकालीन पर-पहुँचते हैं  
 पर-परागांठ कहलाता है।

प्रश्न. 19. स्वपरागांठ और पर-परागांठ में अंतर लिखिए।

अध्ययन

स्वपरागांठ और पर-परागांठ की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर.	परपरागांठ
1.	इसमें पुस्तक का हिलेंगी होना। आवश्यक नहीं है।
2.	इसमें माइक्रो की आवश्यकता नहीं होती है।
3.	इसमें बीबी की हालत बनी रहती है।
4.	इसमें कम परागांठों की आवश्यकता होती है।
5.	इसमें बीबी कम संख्या में उपलब्ध है।
6.	इसमें विकास की संभावना अधिक होती है।

प्रश्न.		लिंगात् जनन एवं अलिंगात् जनन में अंतर लिखिए।
उत्तर.		लिंगात् जनन
1.	इसमें सूरजों का नियमित होता है।	इसमें निशेचन की क्रिया होती है।
2.	इसमें निशेचन की क्रिया होती है।	इसमें निशेचन की क्रिया नहीं होती है।
3.	यह वहुकोशिकीय जीवों में होती है।	यह क्रिया अधिकांशतः सूरजीकीय जीवों में होती है।
4.	इसमें नहीं आप मात्र जनक मात्र होते हैं।	इसमें एक जानक शर्मा होते हैं।
5.	इसमें उत्पत्ति संतानी जनक के समान नहीं होती है।	इसमें उत्पत्ति संतानी जनक के समान होती है।

प्रश्न.		दाढ़ा में पुनरुत्थान की समस्याएँ।
उत्तर.		पुनरुत्थान $\Rightarrow$ वह क्रिया जिसमें लिंगी जीवों द्वारा हासिल करना।
1.	अंगा, ऊनक का यह नी पुनरुत्थान की जाता है। यह क्रिया उत्तर हासिल करने वाला जीव बन जाता है, यह क्रिया पुनरुत्थान जड़ता है।	

2.		दाढ़ा में पुनरुत्थान $\Rightarrow$ यदि दाढ़ा को लिंगी
		पुनरुत्थान वह जाता है। यह नी प्रत्येक दुष्कर्ष में अपने नये दाढ़ा में लिंगी होती है।



प्रश्न.

22. सही विकल्प चुनाव के लिए ।  
निरंतर और मात्र सुरक्षा के लिए क्या करना चाहिए ?

(i)

निश्चयन-

30

(ii)

संसदीय में विधायकों की आयु ६० हो दें।

30

12 से 16 वर्ष तक

(iii)

वीजाणु नियमित छरता है।

30

वीजाणु २१ वीजाणु।

(iv)

मानव में नियोगन होता है।

30

अवृद्धाद्वारा (नेफलीयियत विकास )

(v)

अलिंगन जनन मुख्य विधि होता है।

30

नियन्त्रित में कोन सा रोग विवर सिखाया

30

हिपोटाइड्स

(vi)

अलिंगन प्रजनन का उद्दो दीर्घि

30

मुख्य विधि

(vii)

मनुष्य में अवृद्धाणों का नियमित छोटा होता है।

30

अवृद्धाणी

www.echoedu.com